

उत्तराखण्ड शासन  
गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग अनुभाग  
संख्या: 101473/XIV-2/2023/07(19)/2013 E 30242  
देहरादून: दिनांक: 23 फरवरी, 2023

कार्यालय ज्ञाप

श्री राज्यपाल पेराई सत्र 2022-23 हेतु उत्तराखण्ड राज्य में खाण्डसारी इकाईयों एवं पावर केशरों की स्थापना हेतु खाण्डसारी नीति 2022-23 निम्नवत् निर्धारित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

"खाण्डसारी नीति 2022-23"

**1- विगत जारी लाईसेन्स को पुनर्जीवित करना :-**

(क) ऐसी इकाई जिन्हें उत्तराखण्ड खाण्डसारी चीनी निर्माता अनुज्ञापिक आदेश, 1967 अथवा गन्ना क्रयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत लाईसेन्स जारी किया गया हो, इकाई ने कभी-कभी कार्य किया हो तथा गन्ना क्रयकर आदि का भुगतान किया हो, इकाई अपने पूर्व स्थल पर ही पूर्णतः संस्थापित हो तथा उस पर कोई बकाया न हो, ऐसी इकाई की सुप्त अवधि को क्षम्य मानते हुए गत वर्षों का लाईसेन्स शुल्क, विलम्ब शुल्क सहित जमा करके लाईसेन्स इस शर्त के साथ नवीनीकृत कर दिया जाये कि सत्र 2022-23 में इकाई को अनिवार्य रूप से चलाया जायेगा, अन्यथा की स्थिति में लाईसेन्स निरस्त किया जा सकता है। इकाई स्वामी को इस निमित्त रुपये 10.00 मात्र के नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर उक्त विषयक अण्डरटेकिंग दी जानी होगी।

(ख) ऐसी इकाईयां जिन्हें लाईसेन्स जारी किया गया है किन्तु जिन पर गन्ना क्रयकर, ब्याज, शास्ति एवं गन्ना विकास कमीशन/अंशदान की धनराशि बकाया है और वह समस्त बकाया नियमानुसार धनराशि जमा कर देती है तो उनको भी उक्तानुसार प्रस्तर-1(क) की प्रक्रिया के तहत लाईसेन्स नवीनीकरण की सुविधा अनुमन्य होगी।

(ग) ऐसे इकाई स्वामियों जिन्होंने 1(क) एवं 1(ख) की व्यवस्था के अधीन लाईसेन्स प्राप्त किया हो, उन्हें प्रत्येक सत्र में न्यूनतम 60 दिन पेराई कार्य करना अनिवार्य होगा। इस आशय की अण्डरटेकिंग उनके द्वारा रुपये 10.00 मात्र के नोटराईज्ड स्टाम्प पेपर पर दी जानी होगी।

**2- पावर केशरों एवं खाण्डसारी इकाईयों को नवीन लाईसेन्स :-**

(क) संस्थापित चीनी मिल से 6 किलोमीटर की त्रिज्यात्मक दूरी से बाहर खाण्डसारी इकाई को नवीन लाईसेन्स प्रदान किया जा सकेगा।

(ख) समस्त गुड़, शक्कर (गुड़ पाउडर) व राब उत्पादन करने वाली उर्ध्व, क्षैतिज व त्रियक रोलर (Vertical, Horizontal and oblique/rollers) वाली सभी इकाईयों के संस्थापन हेतु उत्तराखण्ड गन्ना क्रयकर अधिनियम, 1961 की धारा 04 एवं उत्तराखण्ड गन्ना क्रयकर नियमावली, 1961 के नियम 20 के अन्तर्गत लाईसेन्स लेना अनिवार्य होगा।



(ग) खाण्डसारी का उत्पादन करने हेतु इकाई स्वामी को उत्तराखण्ड खाण्डसारी चीनी निर्माता का अनुज्ञापिक आदेश, 1967 की धारा 3 के अन्तर्गत लाईसेन्स लेना अनिवार्य होगा।

### 3- लाईसेन्स में परिवर्तन :-

(क) विवादास्पद मामलों को छोड़कर इकाई के क्रय-विक्रय फलस्वरूप लाईसेंसधारी के नामान्तरण तथा फर्म नाम नामान्तरण पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा।

(ख) साझेदारों के घटने व बढ़ने तथा उत्तराधिकार के मामले में लाईसेंसधारियों के नाम परिवर्तन किये जाने पर कोई परिवर्तन नहीं होगा।

(ग) पावर क्रेशर के आकार घटाने व बढ़ाने पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा।

(घ) सल्फर से नॉन सल्फर एवं नॉन सल्फर से सल्फर में परिवर्तन करने की अनुमति दी जा सकती है।

(ङ) नॉन हाईड्रोलिक से स्प्रिंगयुक्त नॉन हाईड्रोलिक/हाईड्रोलिक अथवा हाईड्रोलिक/स्प्रिंगयुक्त नॉन हाईड्रोलिक प्रक्रिया से नॉन हाईड्रोलिक प्रक्रिया में परिवर्तन की अनुमति प्रदान की जा सकती है।

(च) पावर क्रेशर के रोलर्स की संख्या घटाने व बढ़ाने पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा।

(छ) भट्टियों की संख्या एवं प्रकार के परिवर्तन में कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा।

### 4- स्थान परिवर्तन :-

इकाई को उसी ग्राम के एक प्लॉट से दूसरे प्लॉट पर अथवा एक ग्राम से दूसरे ग्राम में स्थानान्तरण करने की अनुमति तभी प्रदान की जा सकेगी जबकि प्रस्तावित स्थल निकटतम चीनी मिल से 6 किलोमीटर की त्रिज्यात्मक दूरी से बाहर हो। परन्तु पावर क्रेशरों एवं खाण्डसारी इकाईयों को उसी ग्राम के एक प्लॉट अथवा एक ग्राम से दूसरे ग्राम में स्थानान्तरण की अनुमति 15 कार्यदिवस के अन्दर प्रदान की जायेगी। यदि 15 कार्यदिवस के अन्दर अनुमति प्रदान नहीं की जाती है तो उक्त अनुमति स्वतः ही मानी हुई समझी जायेगी।

### 5- खाण्डसारी इकाईयों को स्टीम ब्वायलिंग प्रोसेस की स्थापना हेतु अनुमति प्रदान करना :-

स्टीम ब्वायलिंग प्रोसेस की स्थापना हेतु इकाई स्वामी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र का गुण-दोष के आधार पर परीक्षण करके निर्णय लिया जायेगा।

### 6- निजी गन्ना पेराई किये जाने हेतु अनुमति प्रदान करना :-

यदि कोई गन्ना कृषक अथवा गन्ना कृषकों का समूह अथवा निजी गन्ना पेराई कर केवल गुड़ का उत्पादन करना चाहे तो उसे उत्तराखण्ड गन्ना क्रयकर अधिनियम, 1961 की धारा 4 व उत्तराखण्ड गन्ना क्रयकर नियमावली, 1961 के नियम 20 के अन्तर्गत प्रयोग जनित मशीनरी के अनुरूप लाईसेन्स लेना अनिवार्य होगा। परन्तु ऐसी इकाई प्रस्तर 2(क) से प्रतिबन्धित नहीं होगी। ऐसी इकाईयों के लाईसेन्स हेतु इकाई स्वामी को इकाई के आकार व प्रकार के अनुरूप जो पेराई क्षमता होगी, पेराई क्षमता के अनुसार इकाई स्वामी को इकाई के लाईसेन्स आवेदन पत्र के साथ आवश्यक निजी गन्ना उत्पादन का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। यदि



आवेदक के पास प्रयोग जनित मशीनरी के अनुसार पेराई सत्र हेतु आवश्यक निजी गन्ना है तो प्रार्थना पत्र के गुण दोष के आधार पर परीक्षण कर निर्णय लिया जायेगा। परन्तु ऐसी इकाईयों को किसी भी दशा में गन्ना खरीद की अनुमति प्रदान नहीं की जायेगी।

### 7- अन्य निर्देश :-

(क) यदि किसी इकाई को भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में गन्ने से बनाने वाले एधेनॉल की इकाई संस्थापित करने की अनुमति प्रदान की जाती है तो उत्तराखण्ड राज्य द्वारा ऐसी इकाई को गन्ना खरीद एवं पेराई हेतु अनुज्ञप्ति प्रार्थना गुण दोष के आधार पर प्रदान की जा सकेगी।

(ख) प्रत्येक अनुज्ञप्ति प्राप्त इकाई को इकाई पर गन्ना खरीद, गन्ना पेराई, उत्पादन आदि का कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व क्षेत्रीय खाण्डसारी कार्यालय में प्रदूषण विभाग व खाद्य विभाग का उस विभाग के नियमानुसार पंजीकरण/अनुज्ञप्तिक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। अन्यथा की स्थिति में अनुज्ञप्ति खारिज की जा सकती है।

(ग) प्रत्येक अनुज्ञप्ति प्राप्त स्वामी को अपनी इकाई पर सफाई का विशेष ध्यान रखना होगा। गन्ने से बनने वाले उत्पादों को अत्यन्त साफ-सुथरी प्रक्रिया से उत्पादित करने, पैकिंग व अत्यन्त साफ स्थान पर रखना अनिवार्य होगा।

(घ) प्रत्येक अनुज्ञप्ति प्राप्त इकाई को अपनी इकाई पर गन्ने से बनने वाले उत्पादों गुड़, शक्कर, राब, खाण्डसारी व सिरका आदि की उत्पादन प्रक्रिया में किसी भी प्रतिबन्धित रासायनिक पदार्थ का प्रयोग नहीं किया जायेगा।

(ङ) राज्य में जैविक गन्ने की बुवाई एवं जैविक गन्ने से उत्पादित होने वाले जैविक उत्पादों यथा जैविक गुड़, जैविक गन्ने का रस इत्यादि के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिये पर्वतीय जनपदों के तलहटी/घाटी क्षेत्रों में, जहां तापमान 28 से 32 डिग्री रहता है, में यदि कोई कृषक अथवा अन्य व्यक्ति जैविक गुड़, राब, शक्कर तथा खाण्ड उत्पादन हेतु अनुज्ञप्ति प्राप्त करना चाहे तो उसे उक्त नीति में निर्धारित किये गये प्रतिबन्धों एवं पर्वतीय क्षेत्रों के प्रदूषण सम्बन्धी मानकों को पूरा करते हुये अनुमति दी जायेगी।

उक्त नीति निर्गमन की तिथि से प्रभावी होगी।

**Signed by Vijay Kumar  
Yadav**

**Date: 22-02-2023 13:50:20**

(विजय  
कुमार यादव)  
सचिव

संख्या: <sup>101473</sup> (i) / XIV-2 / 2022 / 07(19) / 2013 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।

I/101473/2023

3. गन्ना एवं चीनी आयुक्त, उत्तराखण्ड, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर।

I/101473/2023

4. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड शुगरर्स।

5. जिलाधिकारी, देहरादून/हरिद्वार/ऊधम सिंह नगर।

6. निजी सचिव, मा० मंत्री, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, उत्तराखण्ड शासन  
को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।

7. सहायक गन्ना आयुक्त, देहरादून/हरिद्वार/ऊधम सिंह नगर।

8. सहायक चीनी आयुक्त, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर।

9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

Signed by Uday Raj Singh

Date: 22-02-2023 18:34:44

(उदय राज सिंह)

अपर सचिव